बिहार सरकार
मुख्यमंत्री का कार्यालय
(जनसंपर्क कोषांग)
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-402
21/08/2021

मुख्यमंत्री ने बाढ़ प्रभावित इलाकों का किया हवाई सर्वेक्षण, समस्तीपुर के मोहिउद्दीननगर प्रखंड में बाढ़ राहत शिविरों का भी लिया जायजा

पटना, 21 अगस्त 2020 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज बाढ़ प्रभावित कई इलाकों का हवाई सर्वेक्षण किया। समस्तीपुर जिले के मोहिउद्दीननगर प्रखंड स्थित टाउन हॉल, बलुआही और जे0टी0ए0 कॉलेज में बने बाढ़ राहत शिविरों का भी मुख्यमंत्री ने निरीक्षण किया। इसके पश्चात् मुख्यमंत्री ने औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान परिसर में बनाये गये पशु राहत शिविर का भी जायजा लिया।

टाउन हॉल, बलुआही एवं जे0टी0ए0 कॉलेज में बने बाढ़ राहत शिविर के निरीक्षण के क्रम में मुख्यमंत्री ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, कोविड–19 वैक्सीनेशन केंद्र, बाढ़ प्रभावित गर्भवती महिलाओं का आश्रय स्थल, रसोई घर, भोजन मेनू, सफाई समिति, भोजनालय समिति एवं कोविड–19 जाँच सेंटर के संबंध में विस्तृत जानकारी ली। साथ ही बाल विकास परियोजना मोहिउद्दीननगर द्वारा प्रभावित परिवारों के बच्चों को शिक्षित करने के लिये विशेष पाठशाला की सुविधा, सामुदायिक रसोई सहित बाढ़ प्रभावित लोगों को राहत शिविरों में दी जा रही अन्य सुविधाओं के संबंध में भी मुख्यमंत्री ने जानकारी ली।

मुख्यमंत्री ने बाढ़ राहत शिविर में आवासित लोगों से बातचीत की और उनकी समस्याओं से अवगत हुए। मुख्यमंत्री ने गर्भवती महिलाओं के आश्रय स्थल में श्रीमती रीता देवी को बाढ़ राहत शिविर में पुत्र पैदा होने पर राज्य सरकार की तरफ से आर्थिक मदद स्वरूप 10 हजार रुपये का चेक प्रदान किया।

निरीक्षण के क्रम में मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि बाढ़ राहत शिविर में आवासित हर व्यक्ति की कोरोना जांच और वैक्सीनेशन का प्रबंधन ठीक ढंग से करें। बाढ़ राहत शिविर में रह रहे लोगों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसका विशेष रूप से ध्यान रखें। पशु राहत शिविर के निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि पशुओं के चारे एवं विशेष रूप से उनके स्वास्थ्य की भी देखभाल करने की जरूरत है। इसके साथ ही यहाँ रह रहे पशुपालकों के भोजन, आवासन, स्वास्थ्य की हरसंभव व्यवस्था करें। साथ ही परिसर की साफ–सफाई का भी पुख्ता प्रबंध होना चाहिए।

निरीक्षण के पश्चात् मोहिउद्दीननगर में पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने कहा कि समस्तीपुर के भी कई इलाके बाढ़ से प्रभावित हैं। बिहार के बाढ़ प्रभावित कई जिलों का हमने हवाई सर्वेक्षण किया है। समस्तीपुर की स्थिति को लेकर भी हमें जानकारी मिलती रही है। भागलपुर और कटिहार का हवाई सर्वेक्षण करने के दौरान हमने समस्तीपुर की स्थिति भी देखी थी और तभी हमने तय किया था कि समस्तीपुर में भी जाकर हम बाढ़ की स्थिति का जायजा लेंगे। उन्होंने कहा कि बाढ़ का पानी इन इलाकों में अब कम हो रहा है लेकिन लोग काफी प्रभावित हुए हैं। बाढ़ प्रभावित सभी लोगों को सहायता देने को लेकर काम किया जा रहा है। बाढ़ प्रभावित लोगों के रहने, खाने की व्यवस्था के साथ ही उनके लिए अनाज का भी इंतजाम किया जा रहा है। बाढ़ प्रभावित परिवारों को सरकार 6

हजार रुपये की मदद करती है। अनेक जगहों पर यह सहायता राशि प्रभावित लोगों को दे दी गयी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वैसे तो वे पटना से भी पूरे बिहार की बाढ़ की स्थिति की समीक्षा करते रहते हैं लेकिन जब लगा कि समस्तीपुर जिले के भी कई इलाके बाढ़ से बहुत ज्यादा प्रभावित हैं तो आज उसे देखने चले आये। मुख्यमंत्री ने कहा कि राहत शिविरों में रह रहे लोगों ने बताया है कि भोजन का अच्छा इंतजाम है। हम लोगों से पूछते भी हैं कि अगर किसी को कोई कठिनाई है तो उसे बतायें। बाढ़ प्रभावित सभी इलाकों में मदद पहुंचानी है ताकि कोई इलाका उपेक्षित नहीं रह पाये।

शहरी क्षेत्रों में जलजमाव की स्थिति को लेकर पत्रकारों के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि नगर निकायों को कहा गया है कि वे इस समस्या को अच्छी तरह से देखें ताकि जलजमाव नहीं हो। वर्ष 2019 में पटना में काफी जमजमाव हुआ था, उसके बाद हमने बैठक कर हर शहरी क्षेत्रों के लिए नियम बनाया था और उसके लिए जो भी राशि की जरुरत होती है उसे उपलब्ध कराया जाता है।

इस अवसर पर शिक्षा मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, सासंद श्री रामनाथ ठाकुर, विधायक श्री राजेश कुमार सिंह, अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य श्री प्रत्यय अमृत, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अनुपम कुमार, प्रमंडलीय आयुक्त दरभंगा डॉ0 मनीष कुमार, जिलाधिकारी श्री शशांक शुभंकर एवं पुलिस अधीक्षक श्री मानवजीत सिंह ढिल्लो सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

******